हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 अप्रैल 2025

तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

11 विद्यार्थियों में बुनियादी शिक्षा को विकसित करना उद्देश्य

11 आर्य समाज ने सदैव राष्ट्र की विरासत को बचाने...

खबर संक्षेप

स्कूटी की टक्कर से बाइक सवार दादी और पोता घायल

जींद। गांव छाप्पर के निकट स्कूटी की टक्कर से बाइक सवार दादी व पोता घायल हो गए। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर स्कूटी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव छाप्पर निवासी परमेश्वरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस वह पोते सावन के साथ बाइक पर सवार होकर पेंशन लेने जा रही थी। उसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कूटी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

बैठक में निपटाए बिजली संबधी शिकायतें:सोमबीर

कैथल। उतर हरियाणा बिजली वितरण निगम कैथल के अधीक्षक अभियंता सोमबीर भालोठिया ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटान के लिए, उपभोक्ता शिकायत निवारण बिजली अदालत कैथल की एक बैठक का आयोजन उनके कार्यालय के सभागार में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे किया जाएगा।

बाप और बेटे से मारपीट दो के खिलाफ केस दर्ज

जींद। पालिका बाजार में बाप व बेटे के साथ मारपीट करने पर शहर थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पालिका बाजार निवासी राहुल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पड़ोसी दुकानदार रिषीपाल के साथ विवाद चला आ रहा है। गत दिवस रिषीपाल तथा प्रदीप ने उसके पिता सुभाष के साथ मारपीट की। जब उसने बचाने की कोशिश की तो उसके साथ भी मारपीट की गई।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत

कैथल। कलायत में ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। गांव कोलेखा के सुनील ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि रविवार को वह स्कूटी पर सवार हो तथा मौसी का लड़का ददबीर बाइक पर सामान लेने के लिए कैंची चौक पर आए थे। वापसी पर जब अनाज मंडी कलायत के मेन गेट के पास पहुंचे तो ट्रक चालक ने बाइक को टक्कर मार दी।

खाना न देने पर ढाबा संचालक पर हमला

जींद। सफीदों में ढाबा मालिक ने देर रात को खाना देने से मना किया तो आरोपितों ने हमला कर घायल कर दिया। हमलावर बाइक को मौके पर छोड़ कर फरार हो गए। शहर थाना सफीदों पुलिस ने ढाबा मालिक की शिकायत पर तीन युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सफीदों निवासी टिंकू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पानीपत रोड पर ढाबा है।

लाभार्थियों को मिल रही फ्री उपचार की सुविधा

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि आयुष्मान भारत और चिरायु आयुष्मान हरियाणा योजना पात्र परिवारों के लिए निःशुल्क उपचार में मददगार साबित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के मद्देनजर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का शुभारंभ किया गया था। आयुष्मान भारत योजना में पांच लाख तक का सालाना लाभ लाभार्थी परिवार को दिया जाता है।

मिस्त्री की हत्या करने दो आरोपित और गिरफ्तार

जींद। शहर थाना नरवाना पुलिस ने मिस्त्री की सरिया मार कर हत्या करने के दो आरोपितों को गिफ्तार किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। धर्म सिंह कालोनी निवासी रानी ने गत 16 अप्रैल को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका पति सूरजभान पटियाला रोड पर फैक्टरी मे कार्य करता था। उनकी मोहल्ले के ही जोगेंद्र परिवार से रंजिश चली आ रही है।

नागरिक अस्पताल में मरीजों के बैठने के लिए जगह-जगह लगाई कुर्सियां

हीट स्ट्रोक से बचाव को लेकर अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में स्पेशल वार्ड बनाया

नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन 1800 से दो हजार मरीज ओपीडी में आ रहे

सरकारी विभागों को पत्र लिख ओआरएस के पैकेट की व्यवस्था के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गर्मी ने अब अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए जहां प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है वहीं अस्पताल प्रशासन ने भी अपनी तरफ लू लगने वाले मरीजों के लिए प्रबंध किए हैं ताकि गर्मी से प्रभावित व्यक्ति को तुरंत प्रभाव से उपचार दिया जा सके। अस्पताल में हीट स्ट्रोक से बचाव को लेकर नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में स्पेशल वार्ड बनाया गया है। जहां आठ बैड लगाए गए हैं। इसके साथ ही कमरे के बाहर गर्मी से बचाव को लेकर पोस्टर चस्पा किया गया है। हालांकि अभी तक गर्मी और लू के प्रकोप का एक भी मरीज अस्पताल में नहीं आया है। प्रतिदिन होती है दो हजार तक ओपीडी, बनाया स्पेशल वार्डः नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन 1800 से दो हजार मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। सोमवार को तो यह आंकडा दो हजार से भी पार हो जाता है। इन दिनों लगातार तापमान बढ़ रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 21 डिग्री दर्ज किया गया। हवा की गति आठ किलोमीटर व मौसम में आद्रता 14 प्रतिशत रही। ऐसे में लू और तेज गर्मी लगना आम बात है। वहीं गर्मी से डायरिया, उल्टी व दस्त की शिकायत भी होती है। छोटे बच्चे व वृद्ध सबसे ज्यादा इसकी चपेट में आते हैं। वहीं हैल्दी खाना भी गर्मी के मौसम में नही पचता है। ऐसे में गर्मी से राहत देने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने विशेष इंतजाम किए हैं। लू व गर्मी तथा उल्टी, दस्त मरीजों के लिए स्पेशल वार्ड तैयार करवा दिया गया है। इस कमरे में मरीजों के लिए ठंडे माहौल की व्यवस्था की गई है। ठंडा पानी और जरूरी दवाइयां यहां पर रखी गई है। सरकारी विभागों को पत्र लिख ओआरएस के पैकेट की व्यवस्था के निर्देशः स्वास्थ्य विभाग ने हरियाणा, रोडवेज विभाग, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग को पत्र भेज कर सभी संस्थानों में आने वाले सभी लोगों के लिए ओआरएस के पैकेट की व्यवस्था करने की बात कही है ताकि लू और डिहाइड्रेशन से बचाव में मदद मिल सके।

जींद। गर्मी व लू से बचाव को लेकर अस्पताल में तैयार किया गया स्पेशल वार्ड।

जींद। स्पेशल वार्ड के बाहर लू से बचाव को लेकर लगाया गया बैनर।

गर्मी को देखते पुख्ता प्रबंध किए

सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि गर्मी को देखते अस्पताल प्रशासन ने पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। अस्पताल में जगह-जगह वेटिंग के लिए कुर्सियों लगाई गई हैं। कोशिश तो यही है कि बढ़ रही गर्मी को देखते हुए मरीजों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो। फाइल बनने में मरीजों को जो टाइम लग जाता है, यह समस्या उनके समक्ष आई है। जिस कम किए जाने का प्रयास किया जाएगा।

इन बातों का रखें ध्यान

पानी, छांछ, ओआरएस का घोल या घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी का सेवन समय-समय पर करते रहें, दोपहर 12 से 3 बजे के बीच धूप में बाहर निकलने से बचें, धूप में निकलते समय अपना सिर ढक कर रखें। कपड़े, टोपी अथवा छतरी का उपयोग करें,धूप में निकलने के पहले तरल पदार्थ का सेवन करें। पानी हमेशा साथ रखें। शरीर में पानी की कमी न होने दें,सूती, ढीले एवं आरामदायक कपड़े पहनें। सिंथेटिक एवं गहरे रंग के वस्त्र पहनने से बचें,जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें,अत्यधिक गर्मी होने की स्थिति में ठंडे पानी से शरीर को पोछें या कई बार स्नान करें।,धूप तथा गर्म हवाओं के संपर्क के तुरंत बाद स्नान न करें, गरम, वसायुक्त, ज्यादा प्रोटीन वाले भोजन तथा अल्कोहल, चाय, काफी जैसे पेय पदार्थ का उपयोग कम से कम करें।

कैथल। गांव शिमला में आग से जला सामान। फोटो :हरिभूमि

शॉर्ट सर्किट से मकान व दो दुकानों में लगी आग

लाखों रुपये का सामान जलकर राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल के गांव शिमला में शॉर्ट सर्किट के कारण मकान व दो दुकानों में आग लग गई, जिससे लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। आगजनी की यह घटना रात को करीब साढ़े 10 बजे हुई। उस समय परिवार के सदस्य दुकानों को बंद करके घर के अंदर एक कमरे में सो रहे थे। अचानक से बिजली का शॉट सर्किट हुआ और आग लग गई। परिवार के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वह लगातार बढ़ती गई। यह देखकर गांव के अन्य लोग भी अपने घरों से बाहर आ गए और आग बुझाने में जुट गए, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। मकान मालिक अजय ने बताया कि गांव के लोगों ने तुरंत डायल 112 नंबर पर कॉल किया और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां को भी सूचना दी, लेकिन समय पर न तो डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच सकी और न ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची।

एक घंटा देरी से पहुंची गाड़ी

ऐसे में ग्रामीण खुद कलायत थाना पहुंचे और वहां से पुलिस को लेकर गांव आए। फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी एक घंटा देरी से मौके पर पहुंची। तब तक घर व दुकानों में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। सुबह फिर बुलाई गाड़ीः इसके अलावा घर में रखी एक लाख से ज्यादा नकदी जलकर राख हो गई। हालांकि एक बार आग को बुझाकर ब्रिगेड की गाड़ी वापस चली , लेकिन फिर भी आग नहीं बुझी और सुबह फिर सुलगना शुरू हो गई। ऐसे में सुबह 10 बजे फिर से गाड़ी को आग बुझाने को बुलाया। पीड़ित परिवार ने सरकार व प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। कलायत थाना से पहुंचे एएसआई जोगिंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

कार में मिला लेक्चरर का शव

- महेंद्रगढ़ का रहने वाला मृतक, दो दिन से था लापता
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा मौत के कारणों का खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नरवाना स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव कार से बरामद हुआ है। पास से गुजर रहे स्थानीय लोगों ने कार में शव को देखा तो सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया। घटना को गंभीरता से लेते हुए फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम को बुलाया साक्ष्यों को जुटाया गया। पुलिस ने कार से मृतक के शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए शव को रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की शिनाख्त महेंद्रगढ़ निवासी मुकेश के रूप में हुई है। वह नरवाना के एक शिक्षण संस्थान में लेक्चरर थे। मुकेश पिछले दो दिनों से घर से लापता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंडस्ट्रियल एरिया की सड़क किनारे एक आई 10 कार शनिवार सुबह से खड़ी थी। रविवार सुबह कुछ लोगों ने कार में झांक कर देखा तो उन्हें एक व्यक्ति का शव दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। शव की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया। प्रारंभिक जांच में मृतक की मौत प्राकृतिक लग रही है। फिलहाल पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि यह मौत हादसा है या कोई अन्य कारण है।

चोट के निशान नहीं

पुलिस के जांच अधिकारी ईश्वर सिंह ने बताया कि मृतक के शरीर पर चोट के कोई निशान नही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल मृतक के परिवार को सूचित कर दिया गया है। पुलिस उनसे भी पूछताछ कर रही है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, पति पर केस

- लगभग डेढ़ साल पहले हुई थी पायल की शादी, जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव गढ़वाली में महिला ने संदिग्ध हालात के चलते फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। मृतका के मायका पक्ष ने आरोप लगाया कि दहेज की डिमांड पूरी न होने पर प्रताड़ना से आहत होकर यह कदम उठाया है। जुलाना थाना पुलिस ने मृतका के चाचा की शिकायत पर पति के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। परिजनों ने आरोपित के परिजनों को बचाने के आरोप पुलिस पर लगाए हैं। गांव गढ़वाली निवासी विकास की पत्नी पायल (24) ने बीती रात संदिग्ध हालात के चलते घर में फंदा लगा लिया। घटना की सूचना पाकर मृतका का मायका पक्ष तथा जुलाना थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। मृतका के चाचा पानीपत निवासी बंटी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी भतीजी पायल की शादी लगभग डेढ़ साल पहले विकास के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन दहेज के लिए दबाव बनाए हुए थे। जब उसकी भतीजी ने असमर्थता जताई तो आरोपित ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। बंटी ने आरोप लगाया कि उसकी भतीजी की योजनाबद्ध तरीके से गला घोट कर हत्या की गई है। जुलाना थाना पुलिस ने मृतका के चाचा की शिकायत पर आरोपित पति विकास के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है।

जींद। मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाने आए परिजन। फोटो :हरिभूमि

जांच जारी

जुलाना थाना के जांच अधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि मृतका के चाचा ने आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। फिलहाल पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

गेहूं उठान प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश

- मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने नई अनाज मंडी व कपास मंडी का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शनिवार को नई अनाज मंडी तथा कपास मंडी का दौरा किया और गेहूं खरीद व उठान प्रक्रिया का जायजा लिया। कैबिनेट मंत्री ने आढ़तियोंए खरीद एंजेसियों के एंजेटोंए मंडी एसोसियेशन के पदाधिकारियों तथा ट्रांसपोर्टर ठेकेदारों से मौके पर बिन्दूवार चर्चा की और आवश्यक दिशा. निर्देश दिए। उन्होंने आगे ने कहा कि राज्य सरकार के लिए किसान हित सर्वोपरि है और उनकी सहूलियत के लिए प्रदेशभर की सभी मंडियों एवं खरीद केन्द्रों पर गेहूं खरीद प्रक्रिया के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए है। कैबिनेट मंत्री ने नरवाना उपमंडल में स्थापित मंडियों एवं खरीद केन्द्रों पर गेहूं खरीद व उठान की प्रक्रिया पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि अब तक उपमंडल में 47 हजार 794 मिट्रिक गेहूं की सरकारी तौर पर खरीद की जा चुकी है और इसमें से करीब 60 प्रतिशत यानी 28 हजार 346 मिट्रिक टन गेहूं का उठान करवाया जा चुका है। लगभग 50ः उठान हो चुका है जो पिछले साल से बेहतर है। उन्होंने आगे कहा कि खरीद एंजेसी के एंजेटए ठेकेदारए आढ़ती तथा मंडी एसोसियेशन के पदाधिकारी आपसी तालमेल बरकरार रखें ताकि इस दौरान किसानों को गेहूं बिक्री व रकम अदायगी बारे कोई समस्या ना आए। कैबिनेट मंत्री बेदी ने बताया कि सरकार द्वारा गेहूं का एक. एक दाना निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाना और 48 घंटे के अन्दर. अन्दर किसानों के खातों में पैसे पहुंचाना सुनिश्चित किया गया है। लेकिन दूसरी ओर कुछ आढ़तियों का कहना है कि गेहूं का उठान समय पर नहीं होने की वजह से भुगतान आने में दिक्कत हो रही है और किसानो का कहना है कि आढ़तियों द्वारा जानबूझ कर देरी से कर रहे हैं।

जींद। निरीक्षण करते मंत्री बेदी। फोटो :हरिभूमि

धीमे उठान से लगे गेहूं के अंबार

- मजदूरों की कमी के कारण गोदामों के बाहर ट्रकों की लंबी लाइन लगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिलेभर की अनाज मंडियों में अब आवक तो बंद हो गई है, लेकिन अब माल उतारने के लिए मजदूरों की कमी से परेशानी आ रही है। मजदूरों की कमी के कारण अब गोदामों के बाहर ट्रकों की लंबी लाइन लग रही है। ऐसे में प्योदा रोड पर बने एफसीआई के गोदाम व जींद रोड पर हैफेड के गोदाम के बाहर लंबा जाम लग रहा है। प्योदा रोड पर चार किमी तो जींद रोड पर लगा करीब दो किमी लंबा जाम है। ऐसे में एक ट्रक चालक को उसके ट्रक में लादे गए माल को उतारने में 24 से 30 घंटे का समय लग रहा है। बता दें कि इस बार उठान देरी से मजदूरों की समस्या भी आई है। आढ़ती व किसानों को भी दिक्कतें हो रही हैं। इस बार जिस ठेकेदार को निविदा सूचना दी गई है। उसके पास पर्याप्त संख्या में ट्रक भी नहीं है। नई अनाज मंडी एसो के पूर्व चेयरमैन धर्मपाल ने कहा कि पिछले साल अप्रैल माह के अंत तक मंडी में 90 प्रतिशत तक माल का उठान हो गया था, लेकिन इस बार महज 65 से 70 % तक ही हो पाया है। ऐसे में मंडियों में अभी काफी बैग गेहूं के पड़े हैं। इसलिए उठान में तेजी लानी चाहिए।

कैथल। अनाज मंडी में पड़ा गेहूं। फोटो :हरिभूमि

पवित्र सरोवर में डुबकी लगाकर की मोक्ष की कामना

बैसाख अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया पिंडदान

- पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर रविवार को बैसाख अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान करके करके तर्पण किया। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर शनिवार को शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा। रविवार को तड़के से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यान्ह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आएं श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। अमवस्या पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने खरीददारी की। तीर्थ पर जगह-जगह लोगों ने सामान बेचने के लिए फड़े लगाई हुई थी। बच्चों ने जहां अपने लिए खिलौने खरीदे तो वहीं बड़ों ने भी घर के लिए सामान खरीदे। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि बैसाख अमावस्या श्रद्धालुओं के लिए विशेष फलदायी रही।

सिंगापुर भेजने का झांसा देकर साढ़े चार लाख हड़पने का आरोपी दबोचा

- राशि वापस मांगने पर धमकी देने का आरोप, पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अलेवा थाना पुलिस ने युवक को सिंगापुर भेज कार्य दिलाने का झांसा देकर साढ़े चार लाख रुपये हडपने के एक आरोपित को गिरफतार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

गांव बिघाना निवासी रिंकी ने 21 सितंबर 2024 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी गांव पोपडा निवासी सुमित तथा उसके परिजनों से वर्ष 2023 मे जान पहचान हुई थी। आरोपितों ने उसके बेटे वीरेन को सिंगापुर भेज कर काम दिलाने की बात कही। जिसकी एवज में आरोपितों ने साढ़े चार लाख रुपये की डिमांड की। आरोपितों ने उसके बेटे के दस्तावेज ले लिए। गत एक जनवरी को आरोपित सुमित को एक लाख, 27 हजार रुपये नगद दिए गए। लगभग दो लाख रुपये कांता तथा एक लाख 26 हजार रुपये गौरव के खाते में डाले गए। बावजूद इसके उसके बेटे को सिंगापुर नही भेजा गया। जब उसने रुपये वापस देने के लिए दबाव डाला तो आरोपितों ने रुपये देने से मना कर दिया और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी।

जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।

- मुंशी प्रेमचंद

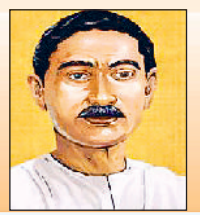

कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी-''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''

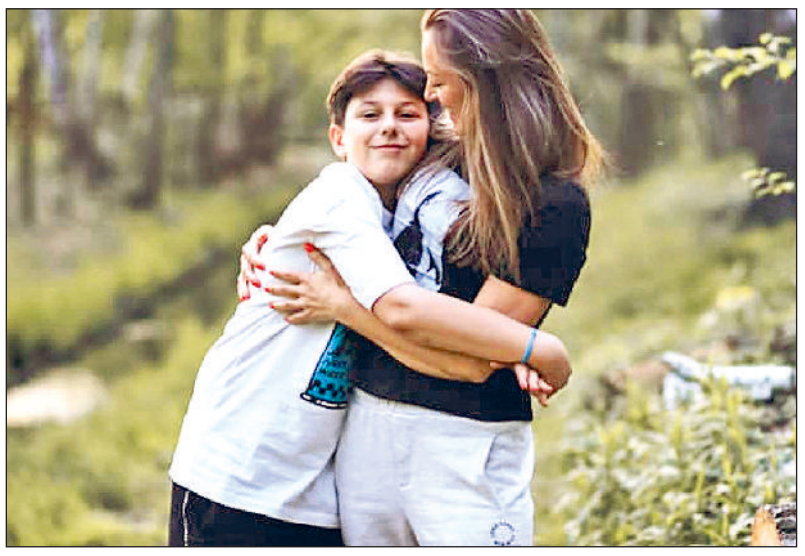

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती- 'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।'और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता- सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?''जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।''मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा- लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा- ''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

कविता | कृष्ण लाल' गिरधर '

वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन | पं. कमलकांत भारद्वाज

धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
ज़मीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूँ ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।

साक्षात्कार | **ओ.पी पाल**

साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 ग़ज़लें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़ज़ल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' की भूमिका वरिष्ठ शायर ज़मीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ. शिवकांत शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
जन्मतिथि : 23 जून 1958
जन्म स्थान : गांव पेटवाड़ (हिसार)
शिक्षा : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
संप्रति : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है
लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां
मूल्य : 17 5 रुपये
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | **डॉ. अल्पना सुहासिनी**

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

खबर संक्षेप

दो दुकानों के टूटे ताले नकदी व सामान चोरी

जींद। रोहतक रोड पर बीती रात चोरों ने दो दुकानों के ताले तोड़ कर नगदी तथा सामान को चोरी कर लिया। शहर थाना पुलिस मामलों की जांच कर रही है। रोहतक रोड निवासी प्रवीण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसकी हार्डवेयर की दुकान को ताला तोड़ कर लगभग दस हजार रुपये की नगदी तथा सामान चोरी कर लिया।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव गांगोली से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव गांगोली निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 20 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा।

खेत से सोलर पैनल चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव दनौदा कलां खेतों से बीती रात चोरों ने सोलर पैनल को चोरी कर लिया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव दनौदा कलां निवासी महाबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी उसके खेत गांव मैंगलपुर की तरफ पड़ते हैं। बीती रात चोरों ने उसके खेत से सोलर पैनल को चोरी कर लिया।

ऑनलाइन सरप्राइज क्विज का आयोजन

जींद। राजकीय महाविद्यालय जींद में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में वित्तीय साक्षरता विषय पर एक ऑनलाइन सरप्राइज क्विज का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हिंदू कन्या महाविद्यालय की अर्थशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ प्रियंका साहनी के सहयोग से किया गया। यह क्विज वित्तीय साक्षरता विषय पर आधारित थी। जिसमें वाणिज्य संकाय के स्नातक और स्नातकोत्तर के कुल 36 छात्रों ने भाग लिया।

सर्विस रूल आने में देरी पर जताया रोष

जींद। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की बैठक का आयोजन सब डिवीजन नरवाना प्रांगण में जिलाध्यक्ष लोकेश ध्याण की अध्यक्षता में हुआ। मंच का संचालन जिला सचिव महेंद्र शर्मा ने किया। प्रदेश कार्यकारिणी से आए हुए प्रदेश सचिव सुभाष शर्मा ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ के द्वारा एक्ट में अमेंडमेंट करवाने के कारण सर्विस रूल आने में थोड़ी देरी हो रही है।

नकदी-जेवरात के साथ महिला लापता, केस दर्ज

जींद। सफीदों से नगदी व जेवरात के साथ महिला के संदिग्ध हालात में गायब होने पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सफीदों निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी पत्नी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी पत्नी का कोई सुराग नही लगा।

घर में घुस महिला से अश्लील हरकत, केस

जींद। जुलाना थाना इलाके में घर में घुस कर महिला से अशील हरकत करने तथा विरोध करने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत ने पुलिस ने आरोपित के खिलाफ विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस केस की जांच कर रही है।

किसानों को समय पर भुगतान किया जाए

जींद। रबी सीजन के तहत मंडियों में गेहूं खरीद प्रक्रिया सुचारु रुप से जारी है। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किसानों की उपज तय मानकों पर खरीदी जा रही है और उनके हितों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। डीसी ने खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए है कि किसानों को उपज का समय पर भुगतान किया जाए ताकि दिक्कत का सामना न करना पड़े।

क्लास रेडिनेस कार्यक्रम 23 मई तक चलेगा

विद्यार्थियों में बुनियादी शिक्षा को विकसित करना उद्देश्य : वशिष्ठ

रेडीनेस कार्यक्रम में अध्यापक बच्चों की सामान्य गलतियों की कर रहे समीक्षा

इसके साथ बच्चों को रस्सी कूदना भी सिखाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जींद

कक्षा रेडीनेस कार्यक्रम के तहत पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए रेडीनेस कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके जरिये शिक्षक वार्षिक परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों की ओर से की गई सामान्य गलतियों की समीक्षा कर रहे हैं। इसे शिक्षक विद्यार्थियों के साथ सांझा करेंगे और विद्यार्थियों की पढ़ाई में सुधार आएगा। क्लास रेडीनेस प्रोग्राम 16 अप्रैल से शुरू होकर 23 मई तक चलेगा।

जिसमें कक्षा इंचार्ज को बच्चों की पिछली कक्षा की दक्षताओं से परिपूर्ण करना है ताकि बच्चा वर्तमान कक्षा मे किसी भी प्रकार की हीन भावना नहीं लाए और बच्चा खेल खेल में बिना किसी डर और भय के साथ समझ सहित सीखे। रेडीनेस कार्यक्रम के तहत क्लस्टर अनुसार सभी विद्यालयों मे संबंधित सीआरसी, एबीआरसी, डाइट फेकल्टी निर्धारित समय अनुसार विद्यालयों का अवलोकन करते हुए स्टाफ सदस्यों और अभिभावकों को प्रेरित करेंगे। अध्यापक पिछली ऑब्जरवेशन के आधार पर दोहराई प्लान करेंगे। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता और गणित कौशल का विकास करता है और उन्हें स्कूल के वातावरण से सहज महसूस कराता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए जिले के सभी सातों खंडों के मुख्य शिक्षकों और मेंटर को शिक्षा विभाग की ओर से 42 दिन चलने वाले क्लास रेडीनेस कार्यक्रम के बारे में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में एफएलएन जिल कोऑर्डिनेटर राजेश वशिष्ठ ने खंड जींद के 105 मुख्य शिक्षकों और 16 मेंटर, अलेवा खंड से 29 मुख्य शिक्षकों और 8 मेंटर, पिल्लूखेड़ा खंड से 36 मुख्य शिक्षकों और नौ मेंटर, सफीदों खंड से 59 मुख्य शिक्षकों और नौ मेंटर, उचाना खंड से 65 मुख्य शिक्षकों और 12 मेंटर, खंड नरवाना के 72 मुख्य शिक्षकों और 14 मेंटर और खंड जुलाना के 58 मुख्य शिक्षकों और 11 मेंटर को सीआरपी की जानकारी दी। कार्यक्रम के अवलोकन के लिए सभी एबीआरसी, बीआरपी, सीआरसी और खंड शिक्षा अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं इसमें बाल वाटिका से पांचवी के बच्चे विभिन्न गतिविधि आधारित भाषा और अंक दक्षता के बारे में जानकारी लेंगे। बच्चे शिक्षकों के नेतृत्व में रोजाना खेल-खेल में कविता गान और कहानी सुनाकर पढ़ाया जाएगा। इसके साथ बच्चों को मिट्टी और रेत पर उंगलियों से आकृति बनाकर बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे। इसके साथ बच्चों को रस्सी कूदना भी सिखाया जाएगा। विद्यालय में बच्चों से सीखी गई गतिविधियों के बारे में पूछा जाएगा। कार्यक्रम के अंतिम सप्ताह में अभिभावकों की बैठक लेकर उन्हें बच्चों की प्रगति की जानकारी दी जाएगी।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

किसी तरह का डर या संकोच न हो

जिला कोऑर्डिनेटर एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया कि यह बच्चों को खेल-खेल में सीखने के तरीके सिखाता है ताकि वे स्कूल के माहौल से सहज हो सकें और किसी भी तरह का डर या संकोच न हो। क्लास रेडीनेस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पहली कक्षा में आने से पहले उनके बुनियादी कौशल विकसित करना और उन्हें स्कूल के वातावरण में सहज बनाना है। यह कार्यक्रम बच्चों में साक्षरता, पढने और लिखने की क्षमता, गणित, संख्याओं और गणना की समझ, सामाजिक भावनात्मक कौशल का विकास करता है।

आतंकी हमले की कड़ी निंदा की

- शांति, सहिष्णुता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जींद

अहमदिया मुस्लिम समुदाय जींद की मजलिस आमिला कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लियाकत अली ने कहा कि अहमदिया मुस्लिम समुदाय जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हाल ही में हुए जघन्य आतंकी हमले की कठोरतम शब्दों में निंदा करती है। यह कृत्य न केवल मानवाधिकारों का भयानक उल्लंघन है बल्कि धर्म नैतिकता और मूल मानव मूल्यों के भी सर्वथा विपरीत है। मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि अमानवीय कृत्य पर गहरा शोक व्यक्त करते अहमदिया मुस्लिम समुदाय शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं प्रकट करती है और ईश्वर से उनके लिए धैर्य, संबल और शांति की प्रार्थना करती है। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए भी प्रार्थना की जाती है।

अहमदिया मुस्लिम समुदाय सदैव आतंकवाद, हिंसा और उग्रवाद के विरुद्ध मुखर रही है। समुदाय का यह स्पष्ट और दोटूक मत है कि आतंकवाद का इस्लाम से कोई संबंध नही है। इस्लाम एक शांतिप्रिय धर्म है, जो हर मानव जीवन की पवित्रता को सर्वोपरि मानता है। भारत एक महान राष्ट्र है जहां विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग सौहार्द और प्रेम के साथ रहते हैं। किन्तु कुछ गुमराह व विध्वंसकारी तत्व समय-समय पर इस एकता और शांति को भंग करने की कोशिश करते हैं। अंतराष्ट्रीय अहमदिया मुस्लिम समुदाय इन राष्ट्रविरोधी कृत्यों की कड़ी आलोचना करती है इस मौके पर इलियास, सलीम खान, जावेद खान, बीरू दीन आदि मौजूद रहे।

जानकारी देते अहमदिया मुस्लिम समुदाय जींद की मजलिस आमिला कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लियाकत अली।

सफीदों। महिलाओं को सम्मानित करते विधायक रामकुमार गौत्तम। फोटो :हरिभूमि

सम्मान दिवस का आयोजन किया

सफीदों। सामाजिक सुरक्षा मंच के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में नगर की महाराजा शूरसैनी धर्मशाला में महिला सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विधायक रामकुमार गौत्तम ने शिरकत की। वहीं विशिष्टातिथि के रूप में पालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि संजय अधलखा बिट्टा, शिक्षाविद् नरेश सिंह बराड़, समाजसेविका ऊषा बराड़, डा. केसी भट्टी, प्रदीप शास्त्री, महाबीर मित्तल ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजक संस्था के अध्यक्ष सुषमा लाठर ने की। समारोह में पहलगाम की आतंकी घटना में दिवंगतों को दो मिनट का मौन धारण करके श्रद्धांजली दी गई। आयोजक संस्था के प्रतिनिधियों ने विधायक रामकुमार गौत्तम को पगड़ी पहनाकर जोरदार अभिनंदन किया गया।

विधायक रामकुमार गौत्तम को सौंपा ज्ञापन

सफीदों। सैनी समाज सुधार मंडल ने एक ज्ञापन विधायक रामकुमार गौत्तम को सौंपकर महात्मा ज्योतिबा फुले दंपत्ति को भारत रत्न पुरस्कार प्रदान करने, फुले दंपत्ति के जीवन को चरितार्थ करती फिल्म को कर मुक्त करने व सफीदों के खानसर चौंक का नामकरण महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम से करने की मांग उठाई। ज्ञापन में सैनी समाज के लोगों ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्रि बाई फुले ने 19वीं सदी के समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव, बाल विवाह, स्त्री अशिक्षा और अंधविश्वासों के विरुद्ध एक व्यापक जागृति का कार्य किया। उन्होंने महिलाओं, दलितों और पिछड़े वर्गों को शिक्षा एवं समानता का अधिकार दिलाने हेतु अपने पूरे जीवन को समर्पित कर दिया। भारत सरकार को उनके विचारों और योगदान को स्मरण करते हुए उन्हे देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न प्रदान करने की घोषणा करनी चाहिए।

बलबीर सैनी बने सर्वसम्मति से प्रधान

गुहला-चीका। आदर्श नाटक क्लब श्री भवानी मंदिर चीका का द्विवार्षिक चुनाव श्री भवानी मंदिर चीका के प्रांगण में हुआ।जिसकी अध्यक्षता एसडी सभा के प्रधान राजीव शर्मा ने की जिसमें बलबीर सैनी को सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से प्रधान नियुक्त किया गया।उपप्रधान पद पर रविंद्र गर्ग पाली, सचिव पद पर हरपाल शर्मा ,कैशियर पद पर कृष्ण धीमान को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया।बातचीत करते हुए बलबीर सैनी ने बताया कि जो संस्था द्वारा माँ भवानी के भव्य मंदिर निर्माण कार्य चल रहा है।मैं सभी सदस्यों के सहयोग से इस कार्य को पूरी निष्ठा लग्न व पूरी ईमानदारी से करूँगा।इससे पहले भी बतौर प्रधान पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे।सैनी ने नगरवासियों से भी अपील करते हुए कहा कि भगवान शिव मंदिर व हनुमान मंदिर का शवेत शिलाओं से बन रहे मन्दिरों के लिए भी दान की भी अपील की।

गुहला चीका। बलवीर सिंह सैनी के साथ आदर्श नाटक क्लब संस्था के सदस्य।

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी व स्कूल स्टाफ सदस्य।

स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

राजौंद। राजौंद के पूंडरी रोड पर स्थित श्री पार्श्वनाथ स्कूल में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम के तहत कक्षा दूसरी से बारहवीं कक्षा तक स्लोगन प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें नौवीं कक्षा से मनु, कक्षा दसवीं से अर्चना, कक्षा आठवीं से आंचल, कक्षा सातवीं से अनु, कक्षा ग्यारहवीं से सिमरन और कक्षा बारहवीं से गुंजन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्या सुजाता सिहाग व स्कूल प्रबंधक रमेश राणा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा नशा एक आदत नहीं यह जीवन के लिए जहर है, एक नशे से लिप्त इंसान स्वयं के साथ-साथ परिवार, समाज व देश के लिए दुर्भाग्य होता है। कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी अपने जीवन को विकसित व समृद्ध बनाने के लिए नशे को अपने जीवन में नहीं लाना है। कहा कि नशें जैसी लत को जड़ मूल से खत्म करने के लिए सबको जागरूक करना होगा।

वरिष्ठ नागरिक गर्मी में रखें ख्याल : राम

कैथल। वरिष्ठ नागरिक एसो की मासिक बैठक वरिष्ठ नागरिक भवन में प्रधान राम नारायण रावल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा का आगाज तीन बार गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ किया गया। मंच का संचालन सीनियर वाइस प्रधान ज्ञानचंद भल्ला ने किया। सर्वप्रथम फकीर चंद गर्ग ने फिल्मी गीत सुना कर व गर्मियों के बचाव से वरिष्ठ नागरिकों को टिप्स दिए जिसे सदस्यो ने ध्यानपूर्वक सुना। टेक चंद वर्मा ने भजन सुना कर सदस्यों को मंत्र मुक्त किया। सीता राम दयोरा ने चुटकले सुनाकर सदस्यों का मनोरंजन किया। एडवोकेट प्रदीप शर्मा ने योग के बारे सदस्यों को जानकारी दी ताकि स्वस्थ रहे जिसे सदस्य ने बड़े ध्यान पूर्वक सुना डॉ रमेश कुमार पपरेजा ने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी व हिदायत की गर्मी में घर से बाहर न निकले जरूरी हो तो पानी पीकर चलें।

कैथल। बैठक में वरिष्ठ नागरिकों का जन्मदिवस मनाते सदस्य।

सफीदों। कार्यक्रम में मौजूद बच्चे व अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

बाल तस्करी के प्रति किया जागरूक

सफीदों। नगर के आर्य मिडल स्कूल में बच्चों के अधिकारों को लेकर कार्य कर रही संस्था एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा बाल विवाह पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यावक्ता संस्था के सीडब्ल्यूएस रमन ने शिरकत की। स्कूल के मुख्याध्यापक राजकुमार रोहिल्ला ने अतिथियों का अभिनंदन किया। मुख्यवक्ता रमन ने बच्चों को बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल यौन शोषण व बाल तस्करी के प्रति जागरूक किया गया और शपथ दिलाई। रमन ने बताया कि बाल विवाह करने वाले को दो लाख रुपए जुर्माना व एक वर्ष की कैद अथवा दोनों का प्रावधान है। बाल विवाह करने से बच्चों का बचपन समाप्त हो जाता है। जिसके कारण बच्चा शारीरिक व मानसिक बिमारियों से ग्रस्त हो जाता है।

जींद। प्रधानमंत्री की मन की बात सुनते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम की मन की बात

जुलाना। जुलाना नगरपालिका के चेयरमैन डा संजय जांगड़ा के कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम सुना। चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा है कि सरकार आतंकवाद को लेकर सख्त है। जिन आतंकवादियों ने पहलगाम में कायराना हरकत करते हुए 26 लोगों को गोली मारी है। उन्हें ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। देश ने विकसित देशों की तरह 104 सेलेलाइट लांच की दुनिया में अपना लोहा मनवाने का काम किया है। खेती में भी राजस्थान में लीची की खेती कर विकास की राह को दिखाया है। डा संजय जांगड़ा ने कहा कि पहलगाम में मारे गए देशवासियों के परिवार के साथ पूरा देश खड़ा है और सरकार भी आतंकवाद के खिलाफ सख्त रूख अपनाए हुए है।

टीम-ए ने अव्वल स्थान पाया

- आर्य स्कूल रसीना में इंग्लिश क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पूंडरी

आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रसीना में शनिवार को अंग्रेजी भाषा में दक्षता बढ़ाने और छात्रों की रुचि को प्रोत्साहित करने हेतु इंग्लिश क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 9वीं से 12वीं तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य वकील सिंह द्वारा की गई। अपने प्रेरणादायक शब्दों से विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा के महत्व के बारे में बताया और उन्हें इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने भाषा कौशल को और अधिक निखारने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को 4 टीमों — टीम ए , टीम बी., टीम सी. और टीम डी. में विभाजित किया गया था। क्विज के विभिन्न राउंड में व्याकरण, साहित्य, शब्दावली, मुहावरे एवं प्रसिद्ध लेखकों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सभी टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन कड़े मुकाबले के बाद टीम ए. ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाया । पूरा क्विज कार्यक्रम इंग्लिश विभागाध्यक्ष (एच.ओ.डी.) रजनी और अंग्रेजी शिक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया। दोनों शिक्षकों ने अत्यंत कुशलता और उत्साह के साथ क्विज का संचालन किया।

पूंडरी। इंग्लिश क्विज प्रतियोगिता में भाग लेते आर्य स्कूल रसीना के विद्यार्थी।

जींद। गौशाला की चुनी गई कार्यकारिणी। फोटो :हरिभूमि

सुमित बने गोसेवा समिति के प्रधान

जींद। श्री श्याम गौ सेवा समिति की नई कार्यकारिणी को लेकर रविवार को गौशाला में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जगतानंद महाराज ने शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता एडवोकेट संजय अहलावत ने की। बैठक का मुख्य एजेंडा अगले तीन वर्षों के लिए संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन करना था। जिसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया और सुमित लाठर को प्रधान, विकास शयोकांद को सेक्रेटरी, उज्जवल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर सभी उपस्थित कार्यकारिणी सदस्यों ने नई कार्यकारिणी का फूलमालाओं से स्वागत किया और नई कार्यकारिणी को शपथ दिलवाई। प्रधान सुमित ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी गई है, उस पर वो खरा उतरने का काम करेंगे। कृष्ण झूलनी, संदीप दलाल मौजूद रहे।

कार्यक्रम — तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह संपन्न

आर्य समाज ने सदैव राष्ट्र की विरासत को बचाने का कार्य किया : तन्नु आर्या

गुलामी के दौर में महर्षि दयानंद सरस्वती ने देश को आजादी का रास्ता दिखाया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जींद

वैदिक भजनोपदेशिका कुमारी तन्नु आर्या ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए ही महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज ने सदैव राष्ट्र की विरासत को बचाने तथा वेदों के प्रचार व प्रसार का कार्य किया है। वैदिक भजनोपदेशिका कुमारी तन्नु आर्या रविवार को आर्य समाज राम नगर में आयोजित तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह के अंतिम दिन उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि आर्य समाज वैदिक सिद्धांतों पर चलने का संदेश देता है। आर्य समाज सामाजिक, आत्मिक व शारीरिक उन्नति का संदेश देने के साथ सामाजिक दायित्वों व नियमों के निर्वहन की प्रेरणा देता है। संसार के कल्याण की कामना तथा प्राणियों में सद्भावना की विचारधारा आर्य सिद्धांतों में ही अन्तर्निहित है। आर्य समाज सामाजिक समानता का पक्षधर है। कन्या गुरुकुल देवघर से आई वैदिक उपदेशिका आचार्या आर्याशा दर्शनाचार्या ने राष्ट्र की स्वाधीनता में आर्य समाज के योगदान का उल्लेख करते कहा कि गुलामी के दौर में महर्षि दयानंद सरस्वती ने देश को आजादी का रास्ता दिखाया। अनेक महापुरुषों और क्रांतिकारियों ने महर्षि दयानंद से प्रेरणा लेकर देश की स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी। महर्षि दयानंद ने आजादी की लड़ाई को धर्मयुद्ध का नाम दिया तथा सबसे पहले स्वराज्य की अवधारणा को लोगों के सम्मुख रखा। उन्होंने कहा कि यदि आज भी कोई राष्ट्र की तस्वीर को बदलने का सामथ्र्य रखता है तो वह केवल आर्य समाज ही है। काग्रक्रम का आरंभ आचार्या आर्य आर्याशा दर्शनाचार्या के ब्रह्मत्व में हुए वैदिक यज्ञ से हुआ। जिसमें सुदर्शन देव आर्य, मंत्री अजीत कुमार आर्य, कुलदीप आर्य गोसाईंखेड़ा तथा सत्यव्रत आर्य सपत्नीक यजमान के रूप में सम्मिलित हुए।

जींद। प्रवचन करते तन्नु आर्य व प्रवचन सुनते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम में गायकों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

गीत गाकर मोहा सबका मन

जींद। निजी होटल में शनिवार देर शाम को सुरों की शाम, संगीत के दीवाने कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में शहर के गायकों ने सुरीली आवाज से शाम को संगीतमयी बना दिया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के बेटे रूद्राक्ष मिड्ढा, वरदान अस्पताल की निदेशक मीना शर्मा रहे। जबकि विशिष्ठ अतिथि के तौर पर नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, उनकी पत्नी सीमा भोला, सृष्टि संस्था के संयोजक डा. विवेक सिंगला रहे। कार्यक्रम में सुनील ने पल-पल दिल के पास, प्रो. क्यूटी ने तू जहां-जहां चलेगा, सिंदर ने तेरे मेरे सपने, श्रुति ने आपकी नजरों ने समझा, राजीव सैनी ने तुम जो मिल गए हो रमेश बंसल ने ओ मेरी जोहर जबी, विनय ने दिल के झरोखे में, वीना भारद्वाज ने हंसता हुआ नूरानी चेहरा गीत गाकर शाम को सुरमय बना दिया।

खबर संक्षेप

सुशील पांचाल बने राजौंद मंडल अध्यक्ष

राजौंद। रविवार को राजौंद मंडल कार्यकारिणी के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी राजौंद मंडल अध्यक्ष सुशील पांचाल के नेतृत्व में पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा से मिलने के लिए उनके आवास पर पहुंचे। उनको नई कार्यकारिणी बनाने पर आभार प्रकट किया। इस दौरान पूर्व मंत्री ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा करवाया और उन्हें नव दायित्व की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि आपको जो जिम्मेदारी दी गई है मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी कार्यकर्ता दिए दायित्वों का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे और पार्टी की रीति नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने व पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

लाखों रुपये का ट्रांसफार्मर का सामान चुराया

कैथल। दो अलग-अलग स्थानों से चोर लाखों रुपये का ट्रांसफार्मर का सामान चुराकर ले गए। बिजली निगम गुहला के एसडीओ राहुल यादव ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि चोर 24 अप्रैल को गांव शादीपुर के किसान रामचंद्र के खेतों में रखा ट्रांसफार्मर से 82800 का सामान चुरा कर ले गए। इसी प्रकार से दूसरे मामले में चोर गांव ढाबा के किसान भीराराम के खेतों में रखे ट्रांसफार्मर से सामान चुरा कर ले गए। चुराए गए सामान की कीमत 92480 रुपये बताई गई है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव 29 अप्रैल को मनाया जाएगा

सफीदों। ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ नेता एवं विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने जहां ज्ञान का मर्म सिखाया वहीं शक्ति का अनूठा प्रयोग करके संसार से आसुरी शक्तियों का विनाश किया। उनके जैसा आज्ञाकारी मातृ एवं पितृ भक्त भी कभी जन्म नहीं लेगा। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय ब्राह्मण संसद के तत्वावधान एवं समस्त ब्राह्मण समाज के सहयोग से आगामी 29 अप्रैल को नगर के ऐतिहासिक नागक्षेत्र सरोवर परिसर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। कार्यक्रम की जानकारी देते बताया कि 29 को प्रातः 8 बजे एकादश कुण्डीय यज्ञ, प्रातः 10 बजे भंडारा व दोपहर एक बजे सनातन धर्म यात्रा निकाली जाएगी। सर्व समाज से आह्वान किया कि वे आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेकर परशुराम का आशीर्वाद प्राप्त करें।

सांसद जयप्रकाश उचाना में दो को

जींद। हिसार लोकसभा से कांग्रेस जयप्रकाश दो मई को पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह उचाना पहुंचेंगे। वीरेंद्र प्रधान ने बताया कि सांसद जयप्रकाश हलके के लोगोंए कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे। लोगों की समस्याओं को वो सुनने का काम करेंगे।

ग्रामवासियों ने एकजुट होकर हमले की कड़ी निंदा की

टीक और बरोट के युवाओं ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में किया प्रदर्शन

मांग : आतंकवाद रूपी जहरीले जहर को जड़ से खत्म करना जरूरी, ताकि देश में कायम रहे अमन शांति और भाईचारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। पहलगाम में मृतकों को श्रद्धांजलि देते टीक व बरोट के ग्रामीण।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में गांव टीक के वेलकम गेट पर एकत्रित होकर ग्रामीणों ने रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान टीक और गांव बरोट के ग्रामीणों ने आतंकवाद और देश के खिलाफ काम कर रहे आतंकी संगठनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि आतंकवाद का चेहरा और विचारधारा स्पष्ट रूप से एक खास दिशा में काम कर रही है, जिसे अब पहचानने और इसके खिलाफ कदम उठाने का समय आ गया है। प्रदर्शन में बोलते हुए गांव बरोट के राकेश राणा ने कहा कि आतंकवादियों का धर्म होता है और पहलगाम में हुआ हमला इसी मानसिकता को दर्शाता है, जहां निदोर्षों को धर्म पूछकर निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि गांवों में आने वाले संदिग्ध तत्वों पर नजर रखी जाए और आवश्यकतानुसार सख्त कदम उठाए जाएं।

वहीं, गांव टीक के युवाओं ने कहा कि अगर आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता तो आतंकवादी धर्म पूछकर हमला क्यों करते। उन्होंने सवाल उठाया कि जब एक वर्ग गौ माता को भोजन मानता है और दूसरा उसे पूजता है, तो भाईचारे की बातें कैसे वास्तविकता में टिक सकती हैं ? उन्होंने साफ कहा कि जो हमारी धार्मिक आस्थाओं का सम्मान करेगा, वही हमारा भाई है।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामवासियों ने एकजुट होकर हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि आतंकवाद के इस जहरीले जहर को जड़ से खत्म करना जरूरी है, ताकि देश में अमन, शांति और भाईचारा बना रहे। साथ ही सरकार और सुरक्षा बलों से ग्रामीणों ने मांग की है कि ऐसे कृत्यों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए और देश की सुरक्षा को और भी मजबूत किया जाए। प्रदर्शन में विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। ग्रामीणों ने शांति और एकता का संदेश देते हुए अपील की है कि राष्ट्रहित में सभी को सतर्क रहना होगा और आतंकवाद के खिलाफ मजबूत होकर खड़ा होना होगा।

शहीद नागरिकों को दी श्रद्धांजलि

कैथल। पंजाबी सेवा सदन परिसर में पहलगाम में शहीद नागरिकों के निमित पंजाबी सेवा सदन द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सदन के प्रधान प्रदर्शन परुथी ने की। दो मिनट का मौन रख कर उन निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिनकी आतंकियों ने पहलगाम में निर्मम हत्या की ।इस अवसर पर सदन के महासचिव संदीप मलिक, मुख्य संरक्षक इंद्रजीतसरदाना, कोषाध्यक्ष अशोक आर्य,पंजाबी वेलफेयर सभा के प्रधान सुभाष कथूरिया,ने इस जघन्य हत्या कांड की निंदा करते हुए उन नागरिकों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए जो इस आतंकी हत्याकांड में शहीद हुए व परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

आतंकी हमले की कड़ी निंदा

कैथल। जमियत उलेमा ए हिंद के जिला प्रधान मौलाना सईदुर रहमान के नेतृत्व में सिरटा रोड़ स्थित मदनी मदरसा में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर पहलगाम में इस्लाम के नाम पर हुई आतंकी घटना की कड़ी निंदा की गई। इस अवसर पर मौलाना और समाज के अन्य प्रमुख लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का संकल्प लिया। मौलाना सईदुर रहमान ने अपने संबोधन में कहा कि इस्लाम अमन और शांति का धर्म है और निहत्थे इंसान की हत्या पूरे इंसानियत के कत्ल के बराबर है। उन्होंने कहा कि देश का हर मुसलमान हिंदू भाइयों और देश की एकता के साथ खड़ा है। यह लड़ाई अब केवल जुल्म के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंकवाद और भाईचारे को तोड़ने की साजिशों के खिलाफ भी है।

सुरक्षा में विफलता पर हमला : प्रो सिंह

गुहला-चीका। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की घटना के लेकर जजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष प्रो रणधीर सिंह ने कहा है कि यह भाजपा सरकार की सिक्योरिटी का फेलियर है। उक्त शब्द प्रो रणधीर सिंह ने झज्जर जिला मुख्यालय पर जजपा की प्रदेश स्तरीय बैठक में भाग लेने के बाद रविवार को अपने चीका स्थित कार्यालय पर पत्रकारों के समक्ष कहे। उन्होंने पहलगाम की घटना पर दुख जताते हुए कहा कि उनके जीवन में इस प्रकार की घटना पहली है। उन्होंने कहा कि इस पर देश कठोर कार्रवाई चाहता है। कहा कि वे पार्टी के विस्तार और मजबूती के लिए पूरी मेहनत करेंगे।

स्वर्णकारों ने दुकानों को बंद कर पहलगाम आतंकी घटना के रोष स्वरूप प्रदर्शन किया

जींद। स्वर्णकार संघ के आह्वान पर शहर के स्वर्णकारों ने अपनी दुकानों को बंद कर पहलगाम आतंकी घटना के रोष स्वरूप प्रदर्शन किया गया। आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए तांगा चौक से मेन बाजार, सिटी थाना होते हुए रानी तालाब अंबेडकर चौक तक पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए कैंडल मार्च निकाला गया। इसमें मुख्य रूप से राजू लखीना, नरेश सोनी, संजय जुलाना, सतीश भारद्वाज, आनंद जैन सहित बाजार के दुकानदार मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि हम अपने शहर में भाईचारे को बना कर रखेंगे। यहां कोई भी ऐसी कोशिश नही होनी चाहिए, जिससे हमें ही नुकसान हो। इस दौरान सभी दुकानदारों ने भारत माता की जयकार की।

पहलगाम में आतंकी हमले की घटना पर जताया रोष

जींद। रानी तालाब स्थित बीआर अंबेडकर चौक पर पहलगाम कश्मीर में घटी अमानवीय एवं बर्बर आतंकवादी घटना में शहीद हुए पर्यटकों की याद में नागरिक एकता मंच द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें दर्जनों जनसंगठनों के कार्यकर्ताओं एवं शहरी नागरिकों ने शामिल होकर इस घटना की कड़ी निंदा की और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि आतंकवादियों का उद्देश्य केवल और केवल दहशतगर्दी फैलाना होता है ताकि समाज में अफरा-तफरी एवं नफरत का माहौल बन जाए। इस घटना में आतंकवादी अपने घृणित उद्देश्य में सफल हुए और 28 बेकसूर सैलानियों की जघन्य एवं निर्मम हत्या करके आसानी से निकल गए।

जुलाना में लगाए पाकिस्तान मुर्दाबाद के पोस्टर

जुलाना। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर हर ओर लोगों में गुस्सा नजर आ रहा है। लोग हमले में मारे गए लोगों के लिए कैंडल मार्च निकाल रहे हैं तो कोई श्रद्धांजली सभा कर रहा है लेकिन जुलाना के मैन बाजार में सड़क के बीचोंबीच पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लिखे हुए पोस्टर भी लगाए गए हैं लेकिन पोस्टर किसने लगाए हैं इस बात का पता नही चल पाया है। लोगों की मांग है कि आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाए और उन्हें मौत की सजा दी जाए। जुलाना की पुरानी अनाजमंडी में भी सामाजिक संगठनों ने कैंडल मार्च निकालकर दिवंगत आत्माओं की की शांति की मांग की थी। सड़क पर पोस्टर चिपका कर चले गए। आंतकी घटना को लेकर पूरे देश में गुस्सा है।

अवैध बंगलादेशी, रोहंगिया व पाकिस्तानी घुसपैठियों की जानकारी देने पर मिलेगा दो हजार का पुरस्कार

जींद। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सुरक्षा व खूफिया एजेंसियां जहां अलर्ट पर हैं वहीं हिंदू संगठनों में घटना को लेकर उबाल है। इसी को लेकर जयति-जयति हिंदू महान संगठन ने ऐलान किया है कि जींद में रहने वाले अवैध बंगलादेशी, रोहंगिया व पाकिस्तानी घुसपैठियों की जानकारी देने वाले को दो हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लिए संगठन के संयोजक अतुल चौहान ने अपना मोबाइल नंबर 8295690990 जारी किया है। जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा और सूचना सही मिलने पर तुरंत प्रभाव से दो हजार रुपये का नगद पुरस्कार भी दिया जाएगा।

पहलगाम घटना के बाद प्रशासन सतर्क

पहलगाम घटना के बाद अफवाहों को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने सभी एसडीएम एवं डीएसपी को अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सोशल मीडिया की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए ताकि कोई भी आपत्तिजनक, भ्रामक या भड़काऊ सामग्री प्रसारित न हो सके। यदि कोई ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिलावासियों से अपील की कि वे शांति, सद्भाव और सामाजिक एकता बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, भड़काऊ भाषण या गैरकानूनी गतिविधियों से दूर रहें।

आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाए : चौहान

जयति-जयति हिंदू महान संगठन के संयोजक अतुल चौहान ने कहा कि जींद में अगर कोई अवैध बंगलादेशी, रोहंगिया व पाकिस्तानी घुसपैठिया रहता है तो इसकी जानकारी उन्हें दें। जानकारी देने वाले को दो हजार रुपये पुरस्कार दिया जाएगा। इस भयावह अपराध की जितनी निंदा की जाए उतना कम है। इस क्रूर हमले में मारे जाने वालों में हरियाणा के करनाल से नेवी आफिसर भी शामिल हैं। जिनकी छहदिन पहले शादी हुई थी। इस जघन्य अपराध के दोषियों को गिरफ्तार कर उन्हें सजा दी जानी चाहिए। इस जघन्य कृत्य को अंजाम देने वाले आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाए।

जिला में बढाई सतर्कता : एसपी कुलदीप सिंह

पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को लेकर आने वाले दिनों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है और कड़े सुरक्षा के प्रबंध हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मलेरिया दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

कैथल। मीटिंग के दौरान भाग लेते संबोधित करते मुख्य चिकित्सक।

राजौंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर रेनू चावला के दिशा निदेर्शानुसार डॉ संदीप सिंह की अध्यक्षता में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस दौरान राजौंद ब्लॉक के सभी पीएचसी के स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। डा संदीप सिंह ने बताया कि कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है। इसलिए जिस भी मरीज को बुखार हो उसे अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपने रक्त की जांच आवश्य करवानी चाहिए रक्त की जांच सभी स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त की जाती है। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज को मलेरिया की पुष्टि होती है तो उसका इलाज भी मुफ्त किया जाता है। उन्होंने बताया कि मलेरिया का इलाज मरीज को पूरा लेना चाहिए अगर मरीज पूरा इलाज नहीं लेता तो मलेरिया का पैरासाइट,उस व्यक्ति के रक्त में जिंदा रहता है और वह कभी भी सक्रिय होकर मरीज को दोबारा से मलेरिया ग्रस्त कर सकता है। डा. संदीप सिंह ने बताया कि मलेरिया के बुखार में मरीज को ठंड लगना, तेज बुखार आना, पसीना आना तथा उल्टी आना आदि लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को अपने घरों के आसपास पानी नहीं खड़ा होने देना चाहिए अगर कहीं पानी खड़ा हो तो उसमें सप्ताह में एक बार काला तेल डालना चाहिए।उन्होने बताया कि रात को सोते समय पूरी बाजू के कपड़े पहनकर सोना चाहिए और मच्छरदानी का प्रयोग भी करें।

पूर्व सैनिकों ने परिजनों को सौंपा तिरंगा

पूर्व सैनिक नायक सूरत सिंह पंचतत्व में विलीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। पूर्व सैनिक नायक सूरत सिंह के परिजनों को तिरंगा सौपते।

पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो कैथल के पूर्व सैनिक नायक सूरत सिंह 9 पंजाब रेजिमेंट के योद्धा पंचतत्व में विलीन हो गए। वे 1962 के युद्ध में जख्मी होने के बाद रिटायरमेंट होकर आए थे। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो को जैसे ही नायक सूरत सिंह साहब के देहांत की खबर लगी तो एसो के साथी चारों तरफ से उनके पैतृक गांव थेह नेवल प्लाट नंबर 3 में इकट्ठे हुए और अपने जांबाज योद्धा के पार्थिक शरीर पर रिसालदार मेजर खजान सिंह, सी पीओ राजवीर भाना, रिसालदार कर्मवीर भाल, हवलदार शीशपाल माजरा ,हवलदार अमित शर्मा ने तिरंगा ओढ़ाया और शव यात्रा में शामिल स्वर्ग द्वार में पहुंचाकर पार्थिक शरीर पर रीट व फूल माला और फूलों से श्रद्धांजलि दी गई।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने नरवाना में टोहाना रोड पर बन रहे वाटर बूस्टर का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

- यह बुस्टिग स्टेशन 4 माह में बनकर तैयार हो जाएग, निर्माण पर 4 :25 करोड़ लागत आने का अनुमान

नरवाना में टोहाना रोड पर बन रहे वाटर बूस्टर का कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने किया निरीक्षण। बता दें कि इस बुस्टर के निर्माण पर 4:25 करोड़ रुपये लागत आने का अनुमान है। इस बुस्टर को गुरथली रोड़ वाटर वर्क्स से जोड़ा जाएगा जिससे इंदिरा कालोनी, शास्त्री नगर सीआईए स्टाफ गली बुढ़ा कालोनी के निवासियों को शुद्ध जल उपलब्ध होगा। उनकी पीने के पानी की समस्या हल होगी। बुसटिग स्टेशन की क्षमता 6.25 लाख लिटर होगी। इस अवसर पर उनके साथ जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ नवीन कुमार मुंडे, सुरेश पांचाल पार्षद प्रतिनिधि सोनू, पार्षद सत्यावान बेदी उपस्थित थे। यह बुस्टिग स्टेशन 4 माह में बनकर तैयार हो जाएग। बारे में कैबिनेट मंत्री ने बताया कि कुछ समस्याओं के निवारण हेतु एक्सियन भी एण्ड आरए जनस्वास्थ्य विभाग के साथ 29.4.25 को एक बैठक रखी गई है जिससे काम जल्दी पूरा किया जा सके।

सांस्कृतिक गतिविधियों का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

कैथल। कार्यक्रम में भाग लेते हुए विद्यार्थी वह स्टाफ फोटो : हरिभूमि

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में शनिवार को बेटियों की शिक्षा को समर्पित विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं द्वारा बेटी शिक्षा पर एक प्रेरणादायक नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसमें समाज को बेटियों की पढ़ाई लिखाई के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम की सबसे खास प्रस्तुति पापा मेरे सुपरहीरो शीर्षक से रही। जिसमें छात्राओं ने मंच पर यह दशार्या कि एक पिता अपनी बेटी के लिए कितना संघर्ष करता है और उसका असली हीरो होता है उसका पापा। इस मार्मिक प्रस्तुति ने सभी दर्शकों की आंखें नम कर दीं। प्रधानाचार्य ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि बेटियां सिर्फ घर की नहीं बल्कि देश की भी शान होती हैं। उनकी शिक्षा पर ध्यान देना समाज की उन्नति का मार्ग है। अभिभावकों से अपील की कि वे बेटियों को भी वही अवसर दें।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने किया मासिक बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सेवा निवृत कर्मचारियों की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नंदलाल रहेजा ने की। बैठक की शुरुआत पहलगाम की दुखद घटना के प्रति शोक प्रकट करते हुए की गई। इस दर्दनाक घटना के लिए गहरी संवेदना व्यक्त करते दो मिनट का मौन धारण किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने इस हमले की कड़ी निंदा की। लक्ष्मण कामरा ने कहा कि यह हमला मानवता पर धब्बा है और निर्दोष लोगों की हत्या किसी भी रूप में क्षम्य नहीं है। कहा कि उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं और पूरा देश इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। कार्यक्रम का मंच संचालन बाबूराम गुप्ता ने किया। इस अवसर पर रामकुमार कामरा, रमेश कुमार और रामनाथ चुटानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने गुहला विधानसभा के गांव खानपुर में सुना कार्यक्रम

मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम : ज्योति

सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी अपने सर्मथकों के साथ पीएम की मन की बात सुनते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को रविवार को कैथल में प्रत्येक बूथ पर सुना गया। इसी कड़ी में भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने आज गुहला विधानसभा के गांव खानपुर बूथ नंबर 162,163 पर प्रधानमंत्री नरंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं संग उत्साहपूर्वक सुना तथा प्रधानमंत्री के विचारों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। बता दे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान कई विषयों पर अपने विचार सांझा किए, जिनमें हाल ही में हुई वैज्ञानिक उपलब्धियां, युवाओं की उपलब्धियां और देशभर में चल रहे स्वच्छता अभियानों पर भी जोर दिया गया। इसके साथ ही मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 140 करोड भारतीयों के साथ खड़ा है तथा वे भी पीड़ति परिवारों को भरोसा दिलाते है कि उनके साथ न्याय जरूर होगा तथा इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमे देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए संकल्पों को मजबूत करना है।

उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वे मिलकर भारत को आत्मनिर्भर और स्वच्छ बनाएं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित संजय सैनी,गांव खानपुर सरपंच प्रतिनिधि सोनू शमशेर सैनी , शैली मुंजाल ,प्रवीण प्रजापति , श्रीमती कृष्णा , विजय भारद्वाज प्रदीप भट्ट डॉक्टर जितेंद्र ठुकराल अरुण वर्मा डॉक्टर श्रवण कौशिक सहित सभी शक्ति केंद्र प्रमुख सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के उपरांत कार्यकतार्ओं से बातचीत करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम एक प्रेरणास्त्रोत है, जो हर भारतीय को सकारात्मक दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम ना केवल प्रधानमंत्री और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि यह देश के विकास, समाज सेवा और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जिले में गेहूं की खरीद सुचारू रूप से चल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीसी प्रीति ने बताया कि जिले में गेहूं की खरीद सुचारू रूप से चल रही है। जिला में विभिन्न एजेंसियों द्वारा गत दिवस तक कुल छह लाख 76 हजार 708 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद गई है। जिले में गेहूं की कुल खरीद में से दो लाख 22 हजार 32 मीट्रिक टन गेहूं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा, दो लाख 79 हजार 272 हैफेड द्वारा तथा एक लाख 75 हजार 404 मीट्रिक टन गेहूं हरियाणा वेयरहाउसिंग कोपोर्रेशन द्वारा खरीदा गया है। उन्होंने बताया कि अगोंध मंडी में 7614 मीट्रिक टन, अरनोली में मंडी में 6194 मीट्रिक टन, बाबा लदाना में 17 हजार 665 मीट्रिक टन, बड़सीकरी खुर्द में 12 हजार 377 मीट्रिक टन, बलबेहड़ा मंडी में 1847 मीट्रिक टन, बालू में 12 हजार 616 मीट्रिक टन, बरटा में 9686 मीट्रिक टन, बौपुर मंडी में 1578 मीट्रिक टन, भागल में 8047, भूसला मंडी में 6365 मीट्रिक टन, चीका मंडी में एक लाख हजार 377 मीट्रिक टन, डीग में 3049 मीट्रिक टन, धनौरी 11 हजार 235 मीट्रिक टन, फर्शमाजरा में 3704 मीट्रिक टन, गोहरां में 8181 मीट्रिक टन, गुहणा में 2351 मीट्रिक टन, हाबड़ी मंडी में 10 हजार 329 मीट्रिक टन, जाखौली मंडी में 12 हजार 203 मीट्रिक टन, कैलरम में 6511 मीट्रिक टन, कैथल पुरानी मंडी में 11 हजार 350 मीट्रिक टन, कैथल नई अनाज मंडी में 56 हजार 224 मीट्रिक टन, कैथल अतिरिक्त नई अनाज मंडी में 43 हजार 01 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है।